भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5385

25.03.2026 को उत्तर देने के लिए

पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली को प्रौद्योगिकी सहायता

†5385. श्री अरुण नेहरूः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों में डीएसटी, डीबीटी, सीएसआईआर आदि द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं, अनुदानों और इन्क्यूबेशन/नवाचार कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इससे कितनी संस्थाएं, स्टार्ट-अप और छात्र लाभान्वित हुए हैं; और

(ग) क्या इस क्षेत्र में कोई जिला स्तरीय विज्ञान केन्द्र, टिंकरिंग प्रयोगशालाएं या नवाचार केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख): विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तमिलनाडु के पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों सहित देश भर में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी), नवाचार, इनक्यूबेशन और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करने और मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करते हैं। विगत पांच वर्षों के दौरान पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों में जिन विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभ प्राप्त किए गए हैं, उनका विवरण इस प्रकार हैं:

डीएसटी के माध्यम से एस एंड टी अवसंरचना सुधार कोष (फिस्ट) कार्यक्रम के माध्यम से, तिरुचिरापल्ली जिले के 3 शैक्षणिक संस्थानों में 4 परियोजनाओं को सहायता दी गई है।

डीएसटी के अंतर्गत राष्ट्रीय नवाचार विकास और दोहन पहल (निधि) कार्यक्रम के अंतर्गत, ईआईआर, प्रयास, सीड निधि और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) जैसे घटकों के माध्यम से स्टार्ट-अप्स को विचार से व्यावसायीकरण तक, सहायता दी जाती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, तिरुचिरापल्ली-पेरम्बलूर क्षेत्र के 14 स्टार्टअप/नवोन्मेषकों को लगभग ₹1.56 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। डीएसटी ने एनआईटी तिरुचिरापल्ली में एक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क (एसटीईपी) को भी सहायता दी है, जिसे बाद में अटल इनक्यूबेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग द्वारा ₹8.66 करोड़ के स्केल-अप अनुदान के साथ और सहायता दी गई है।

डीएसटी के इंस्पायर योजना के माध्यम से, जिसमें इंस्पायर-मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज), उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रवृति (शी), इंस्पायर अध्येतावृत्ति, और इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति शामिल हैं, पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों के 475 छात्रों और शोधकर्ताओं को विगत पांच वर्षों के दौरान लगभग 1.74 करोड़ रुपये के अध्येतावृत्ति अनुदानों की सहायता दी गई है।

डीएसटी के प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (टीडीपी) के अंतर्गत, अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सहायता दी गई है ताकि स्थानीय तकनीकों का विकास किया जा सके और विचार या अवधारणा की व्यावहारिक पुष्टि को कृषि-प्रौद्योगिकी और सेंसर/डिवाइस जैसे क्षेत्रों में प्रोटोटाइप में बदला जा सके। विगत पाँच वर्षों के दौरान, पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली जिलों में स्थित 2 शैक्षणिक संस्थानों को कुल 0.93 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियाँ कार्यक्रम के अंतर्गत तिरुचिरापल्ली जिले में एक परियोजना को कुल 0.45 करोड़ रुपये की लागत के साथ मंजूरी दी गई है। डीएसटी के जलवायु, ऊर्जा और सतत प्रौद्योगिकी (सेस्ट) पहलों के अंतर्गत, इस क्षेत्र में 2 संस्थानों की 6 परियोजनाओं को सहायता दी गई है।

एएनआरएफ-डीएसटी की विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों जैसे मूल अनुसंधान अनुदान, विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सशक्तिकरण और समानता के अवसर, समावेशिता अनुसंधान अनुदान, नेशनल पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप (एन-पीडीएफ), नेशनल साइंस चेयर, प्रधानमंत्री प्रारंभिक करियर अनुसंधान अनुदान, रामानुजन फैलोशिप, स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान, अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए शिक्षक सहकार्य (टीएआरई) के माध्यम से, विगत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तिरुचिरापल्ली जिले में कुल 88 परियोजनाओं/संस्थानों को लगभग 25.98 करोड़ रुपये के कुल निधीयन के साथ सहायता दी गई है। डीएसटी की विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (श्री) सेल ने विगत पांच वर्षों के दौरान तिरुचिरापल्ली जिले में भी दो परियोजनाओं को सहायता दी है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के कार्यक्रमों नामत: जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता विकास (बायो-राइड), जैव प्रौद्योगिकी प्रारंभिक अनुदान (बीआईजी), और सतत उद्यमिता और उद्यम विकास (सीड) निधि के अंतर्गत, विगत पांच वर्षों के दौरान तिरुचिरापल्ली जिले के विभिन्न संस्थानों में कुल 12 परियोजनाओं/स्टार्टअप्स को सहायता दी गई है, जिनकी स्वीकृत लागत लगभग 6.34 करोड़ रुपये है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने अपने घटक प्रयोगशाला केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआऱआई), चेन्नई के अंतर्गत, तिरुचिरापल्ली में 2

परियोजनाये आरंभ की हैं। पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली क्षेत्र के छात्र भी सीएसआईआर- सेंट्रल इलेक्ट्रोकेमिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीईसीआरआई), कारैक्कुडि द्वारा आयोजित सीएसआईआर जिज्ञासा 2.0 कार्यक्रम से लाभान्वित हुए। लगभग 126 छात्र इस कार्यक्रम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, सीएसआईआर एकीकृत कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से कुल 130 छात्रों को लाभ हुआ है। सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीएलआऱआई), चेन्नई के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली क्षेत्र की दो कंपनियों और 16 प्रशिक्षुओं को लाभ हुआ है।

(ग) सरकार पेरम्बलूर और तिरुचिरापल्ली के जिलों सहित पूरे देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने, छात्रों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक शैक्षणिक-उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली में एक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन सेंटर (एस-टीआईसी) स्थापित किया है।

नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के अंतर्गत, तिरुचिरापल्ली जिले में कुल 27 अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं (एटीएल) और पेरम्बलुर जिले में 6 अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्कूलों में स्थापित की गईं हैं ताकि स्कूल स्तर पर नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित किया जा सके।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने एनआईटी तिरुचिरापल्ली में एक विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क (एसटीईपी) की स्थापना में सहायता की है, और इसके राष्ट्रीय अंतरविषयक साइबर-भौतिकी प्रणाली मिशन के अंतर्गत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में सेंसर, नेटवर्किंग, एक्ट्यूएटर्स और नियंत्रण प्रणाली (एसएनएसीएस) पर एक प्रौद्योगिकी नवाचार केन्द्र स्थापित किया गया है। ये केन्द्र क्षेत्र में नवाचार, इनक्यूबेशन, अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान और उद्यमिता विकास को सशक्त बना रहे हैं।

*****